



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खंड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 316]
No. 316]

नई दिल्ली, शुक्रवार, मई 23, 1997/ज्येष्ठ 2, 1919
NEW DELHI, FRIDAY, MAY 23, 1997/JYAISTHA 2, 1919

विद्युत मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 23 मई, 1997

का.आ. 410 (अ).—विद्युत (प्रदाय) अधिनियम, 1948 (1948 का 54) की धारा 43क की उपधारा (2) में प्रदत्त शक्तियों का उपयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार भारत सरकार के पूर्व विद्युत तथा अपारंपरिक ऊर्जा स्रोत मंत्रालय (विद्युत विभाग) की अधिसूचना सं. का.आ. 251 (अ), दिनांक 30 मार्च, 1992 में नामशः निम्नलिखित और संशोधन करती है :—

कथित अधिसूचना में पैराग्राफ-3 के पश्चात् नामशः निम्नलिखित पैराग्राफ को जोड़ा जाएगा :

प्रतिस्पर्धात्मक बोली के माध्यम से ताप विद्युत उत्पादन केन्द्रों को प्रदान किया जाना

4. प्रतिस्पर्धात्मक बोली के माध्यम से प्रदान किए गए ताप विद्युत उत्पादन केन्द्रों (जिनमें गैस, नापथा तथा अन्य तरल ईंधन आधारित केन्द्र भी शामिल हैं) से विद्युत की बिक्री करने हेतु टू-पार्ट-टैरिफ में वार्षिक स्थायी प्रभार तथा परिवर्तनीय प्रभार की वसूली किया जाना शामिल होगा,

(क) स्थायी प्रभार

1. ऐसा घटक जिस पर विदेशी विनियम में वृद्धि वास्तविकताओं पर देय होगी।
2. ऐसा घटक जिसे स्वदेशी मुद्रा स्फीति में शामिल किया जाएगा।
3. ऐसा घटक जिस पर कोई अभिवृद्धि देय नहीं होगी।

(ख) परिवर्तनीय प्रभार

आपूर्ति की गई ऊर्जा की प्रत्येक इकाई (किलोवाट घंटा) हेतु ईंधन लागत सहित परिवर्तनीय प्रभारों में वास्तविकताओं के आधार पर परिवर्तित ईंधन लागत कीमत में शामिल किए जाने की अर्हता प्राप्त होगी।

संयंत्र की उपलब्धता तथा प्रेषणता

4.1 पूर्ण स्थाई प्रभार घटक की वसूली राज्य सरकार द्वारा निर्धारित किए गए स्तरों पर निम्नलिखित खण्ड 4.2 में निर्दिष्ट संयंत्र अथवा यूनिट की उपलब्धता स्तरों की रेंज में की जाएगी;

बशर्ते कि कोई भी प्रेषण अनुदेश, जिनके लिए संयंत्र की उपलब्धता राज्य सरकार द्वारा घोषित अंतिम स्तर से कम संयंत्र अथवा यूनिट प्रचालन अपेक्षित होगा, वह निजी विद्युत उत्पादक को घोषित विद्युत उत्पादन के अवसर प्रदान करने के योग्य होगा।

इसके अलावा, बशर्ते कि ग्रिड की मांग में पर्याप्त भिन्नताओं पर विचार करते हुए राज्य सरकार अग्रिम तौर पर संयंत्र क्षमता के 50 प्रतिशत के लगभग प्रेषणता स्तर को अधिसूचित करती है। यदि उपलब्धता घोषित अथवा प्रेषित स्तर से कम है तो उस दशा में स्थायी प्रभारों का भुगतान यथानुपात स्तर तक कम किया जाएगा। उन मामलों के लिए जिनमें वास्तविक संयंत्र अथवा यूनिट की उपलब्धता घोषित संयंत्र अथवा यूनिट उपलब्धता की तुलना में कम पायी जाती है, तो निजी प्रवर्तकों की विद्युत क्रय करार में सहमति किए अनुसार गलत घोषणा करने हेतु दण्ड स्वरूप भुगतान करना होगा।

4.2 स्थायीकरण अवधियाँ तथा उपलब्धता स्तर

विभिन्न प्रकार के विद्युत उत्पादन यूनिटों की स्थायीकरण अवधि तथा संयंत्र उपलब्धता की रैंज निम्नवत् होगी:—

(1)	कोयला/लिग्नाइट आधारित संयंत्र	संयंत्र उपलब्धता घटक
	स्थायी अवधि	60 — 65%
	अनुवर्ती अवधि	80 — 85%
(2)	गैस/नापथा/तरल ईंधन आधारित संयंत्र	
	(क) ओपन साइकल संयंत्र गैस टरबाइन	85 — 90%
	(ख) संयुक्त साइकल संयंत्र गैस टरबाइन (ओपन साइकल प्रभार)	85 — 90%
	भार टरबाइन (संयुक्त साइकल प्रभार) स्थायीकरण अवधि	60 — 65%
	अनुवर्ती अवधि	85 — 90%
(3)	डीजल जेनेरेटिंग सेट	85 — 90%

4.3 स्थायीकरण अवधि

यूनिट को समकालित किए जाने की पहली तिथि से आरंभ होने वाली स्थायीकरण अवधि की गणना निम्नवत् की जाएगी :—

कोयला/लिग्नाइट आधारित संयंत्र	गैस/नापथा/तरल ईंधन आधारित संयंत्र	180 दिन
(क) गैस टरबाइन (ओपन साइकल प्रभार)		शून्य
(ख) भाप टरबाइन (संयुक्त साइकल प्रभार)		90 दिन

4.4 उपलब्धता घटक

किसी भी अवधि में विद्युत केन्द्र अथवा यूनिट के उपलब्धता घटक की गणना निम्नवत् होगी :—

$$\text{ए. वी. पी.} = \frac{100 \sum \text{ए. सी. यूनिट}}{(\text{सी. संविदात्मक}) \times \text{एस. पी.}}$$

जहां,

ए. वी. पी. : “पी.” अवधि में यूनिट अथवा विद्युत स्टेशन के लिए उपलब्धता घटक है
(प्रतिशत के रूप में दर्शाया गया है)

\sum ए. सी. यूनिट : “पी.” अवधि में प्रत्येक “सेटलमेंट पीरियड” में सभी यूनिटों की उपलब्ध क्षमताओं का योग है।

(सी. संविदात्मक) : विद्युत स्टेशन/यूनिट की संविदात्मक क्षमता।

एस पी : “पी” अवधि में “सेटलमेंट पीरियड” की संख्या है। सेटलमेंट पीरियड का आशय घंटे या आधे घंटे से आरंभ होने वाली किसी तीस (30) मिनट की अवधि से है।

4.5 ये प्रावधान परियोजना की चालू की गई विद्युत उत्पादक यूनिटों के लिए भी तब तक लागू होगी जब तक परियोजना के लिए परिकल्पित की गई समग्र क्षमता चालू की जाती है।

4.6 प्रोत्साहन

(1) यूनिट को सम्मत समय से पूर्व चालू (वाणिज्यिक प्रचालन) करने के लिए संयंत्र प्रचालन के प्रथम पांच वर्षों में प्रोत्साहन देय होगा। यूनिटों को समय से पूर्व चालू किए जाने की सीमा के आधार पर प्रोत्साहन प्रथम वर्ष के टैरिफ के अपरिवर्तनशील प्रभार घटक के अतिरिक्त 2 प्रतिशत से अधिक

नहीं होगा। इसी प्रकार प्रथम पांच वर्षों के लिए प्रथम वर्ष के टैरिफ के अपरिवर्तनशील प्रभार के 5 प्रतिशत से कम दर पर चलने वाली विद्युत उत्पादन यूनिट को विलंब से चालू करने के लिए विद्युत उत्पादन कंपनी दण्ड का भुगतान करेगी।

(2) संयंत्र उपलब्धता के लिए कट-आफ स्तर से ऊपर कार्यानिष्पादन करने के लिए देय प्रोत्साहन और राज्य में विद्युत मांग आपूर्ति की स्थिति पर विचार करते समय राज्य सरकार द्वारा निर्णीत की जाने वाली एक अवधि के लिए प्रारंभिक कुछ नई परियोजनाओं के संबंध में भुगतान राशि संयंत्र अथवा यूनिट उपलब्धता में प्रति प्रतिशत प्वाइंट वृद्धि पर 01 (एक) पैसे/किलावाट घंटा से अधिक नहीं होगी। वार्षिक आधार पर समग्र परियोजना क्षमता की उपलब्धता के लिए सुधरी हुई संयंत्र कार्यानिष्पादन के लिए प्रोत्साहनों का आंकलन अभी किया जाना है।

4.7 बोली मूल्यांकन के प्रचालन मानदंड :

चूंकि परियोजना के लिए टैरिफ बोली मूल्यांकन मापदंड का एक कार्य होगा, इसलिए बोली मूल्यांकन मापदंड में स्थरीकृत मापदंड प्रथम अथवा द्वितीय वर्ष के परिवर्तनीय प्रभार, अपरिवर्तनशील प्रभार में वृद्धि योग्य विदेशी विनिमय घटक, हीट-रेट और इसमें छूट, गौण खपत, संयंत्र और उपस्कर की तकनीकी विशेषताएं अथवा कोई अन्य विशेषता, जिसे राज्य सरकार या केन्द्रीय सरकार द्वारा समय-समय पर अधिसूचित किया जा सकता है, जैसे मानदंडों पर विचार किया जाएगा। बोली मूल्यांकन के लिए विचार किए जाने वाले प्रचालन मानदंड कथित अधिनियम की धारा 43 ए की उपधारा (2) के अंतर्गत प्राधिकारी द्वारा निर्धारित किए जाएंगे अथवा जैसा भी प्रतिस्पर्धात्मक बोली प्रक्रिया पर्यावरण में बाजार में संचालित क्षमता स्तरों को दर्शाने वाली प्रतिस्पर्धात्मक बोली प्रक्रिया के माध्यम से निर्णीत किया जाए।

नोट—1 स्थरी टैरिफ टी का आशय होगा

$$टी = \sum टी_i; एम_i^{-1} / \sum एम_i^{-1}$$

जहां,

एम=1-डी

डी=छूट घटक है

टी_i=वर्ष के लिए टैरिफ

नोट—2 बोली मूल्यांकन के लिए विभिन्न मापदंडों सम्बन्धी छूट संवेदनशीलता विश्लेषण के आधार पर सक्षम सरकार द्वारा समय-समय पर अधिसूचित किया जाएगा।

नोट—3 बोली मूल्यांकन के प्रयोजनार्थ छूट दर, विदेशी विनिमय वृद्धि दर तथा विदेशी विनिमय परिवर्तन दर का सक्षम सरकार द्वारा समय-समय पर अधिसूचित किया जाएगा।

4.8 यदि सरकार द्वारा किसी विद्युत उत्पादन कंपनी को कथित अधिनियम की धारा 43ए, उपधारा (1) अनुच्छेद (सी) की शर्तों के अनुसार उपभोक्ता को विद्युत की सीधी आपूर्ति करने की अनुमति प्रदान की जाती है तो इस प्रकार की बिक्री सरकार के अनुमोदन की शर्त पर विद्युत उत्पादन कंपनी और अन्य व्यक्ति के बीच पारस्परिक रूप से सम्मत दर पर की जाएगी।

[सं. ए-53/95-आईपीसी]

पि. अब्राहम, सचिव

पाद टिप्पणी :

मूल अधिसूचना भारत सरकार के राजपत्र के भाग-II, खण्ड-3, उपखण्ड (ii) दिनांक 30 मार्च, 1992 के द्वारा प्रकाशित की गई थी और बाद में एस ओ 36 (अ) दिनांक 18-1-1994, एस ओ 605 (अ) दिनांक 22-8-94, एस ओ 39 (अ) दिनांक 12-1-95, एस ओ 167 (अ) दिनांक 6-11-95, एस ओ 151 (अ) दिनांक 26-2-97 तथा एस ओ 332 (अ) दिनांक 17-4-97 के द्वारा संशोधित किया गया है।

MINISTRY OF POWER

NOTIFICATION

New Delhi, the 23rd May, 1997

S.O. 410(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 43A of the Electricity (Supply) Act, 1948 (54 of 1948), the Central Government hereby makes the following further amendments in the notification of the Government of India in the former Ministry of Power and Non-Conventional Energy Sources (Department of Power) No. S.O. 251(E), dated the 30th March, 1992, namely :—

In the said notification after paragraph 3, the following paragraph shall be added, namely:—

Thermal Power Generating Stations Awarded Through Competitive Bidding

4. The two-part tariff for sale of electricity from thermal power generating stations (including gas, naphtha and other liquid fuel based stations) awarded through competitive bidding shall comprise the recovery of annual fixed charge and variable charge.

(a) Fixed Charge

- (i) a component on which foreign exchange escalation shall be payable at actuals;
- (ii) a component, which shall be indexed to domestic inflation;
- (iii) a component on which no escalation shall be payable;

(b) Variable Charge

Variable charge covering the fuel cost for each unit (kilo watt hours) of energy supplied, shall qualify for indexation on fuel price changes as per actuals.

Plant Availability and Dispatchability

4.1 The full fixed charge component would be recoverable at levels determined by the State Government within range of levels of plant or unit availability indicated in the following clause 4.2:

Provided that any despatch instruction, requiring plant or unit operation less than the cut off level for plant availability announced by the State Government, shall entitle the private promoter to deemed generation benefits:

Provided further that considering the substantial variations in the grid demand, the States may notify, in advance, the dispatchability level of about 50 per cent. of plant capacity. In case availability is below the declared or dispatched level then payment of fixed charges shall be reduced on pro-rata basis. For cases where the actual plant or unit availability is found to be lower compared to declared plant or unit availability the private promoter would be liable to pay misdeclaration penalty as agreed in the Power Purchase Agreement.

4.2 Stabilisation Periods and Availability Levels

Stabilisation period for power generating units of different types and the range of plant availability shall be as follows :—

(i) Coal/lignite based plants		Plant availability Factor
Stabilisation period		60-65%
Subsequent period		80-85%
(ii) Gas/Naphtha/Liquid fuel plants		
(a) Open Cycle plants		
Gas Turbines		85-90%
(b) Combined Cycle Plants		
Gas Turbines (in open cycle mode)		85-90%
Steam Turbines (in combined cycle mode)		
Stabilisation period		60-65%
Subsequent period		85-90%
(iii) Diesel Generating Sets		85-90%

4.3 Stabilisation Period

Stabilisation period commencing from the date of first synchronisation of the unit shall be reckoned as follows :

Coal/lignite based plants	180 days
Gas/Naphtha/Liquid fuel based plants	
(a) Gas Turbines (in open cycle mode)	Nil
(b) Steam Turbines (in combined cycle mode)	90 days

4.4 Availability Factor

In any period, the Availability Factor of the power station or unit shall be calculated as follows :—

$$AV_p = \frac{100 \sum AC_{Unit}}{(C_{contracted}) \times S_p}$$

Where,

- AV_p is the Availability factor for the Power Station or Unit in period 'p' (expressed as a percentage)
 ΣAC_{Unit} is the sum of Available Capacities of all the units in each 'Settlement Period' in the period "p"
 $(C_{contracted})$ Contracted capacity of the Power station/Unit
 S_p is the number of 'settlement Periods' in the period 'p'. Settlement Period means any thirty (30) minute period beginning on the hour or half hour.

4.5 These provisions will also apply to the commissioned generating units of the project till the entire envisaged project capacity is commissioned.

4.6 Incentives

(i) An incentive for the first five years of plant operation for commissioning (commercial operation) the unit before the agreed time shall be payable. The incentive shall not exceed additional 2 per cent of fixed charge component of the first year tariff, depending on the extent to which the units have been commissioned before schedule. Similarly, a penalty for delayed commissioning of generating unit at a rate not below 5 per cent of the fixed charge of the first year tariff for the first five years shall be payable by the Generating Company.

(ii) Incentive payable for performance above the cut off level for Plant Availability indicated in clause 4.2 above, payable for initial few projects for a period to be decided by the State Government in consideration of the power demand supply situation in the State, shall not exceed 01 (one) paise per kilo watt hour per percentage point increase in plant or unit availability. the incentives for improved plant performance are to be calculated for the availability of the entire project capacity on an annual basis.

4.7 Norms of Operation for Bid Evaluation

Since tariff for the project shall be a function of the bid evaluation criteria, the bid evaluation criteria shall take into account the parameters such as levelised tariff; first or second year variable charge; escalable foreign exchange component in the fixed charge; heat rate and its deration; auxiliary consumption; technical features of plant and equipment or any feature that may be notified by the State Government or the Central Government, from time to time. The norms of operation to be considered for bid evaluation shall be as laid down by the Authority, under sub-section (2) of section 43A of the said Act, or as decided through the competitive bidding process reflecting the market driven efficiency levels in a competitive bidding environment.

Note 1,— Levelised tariff T shall mean

$$T = \sum t_i m^{i-1} / \sum m^{i-1}$$

Where,

- $m = 1-d$,
 d is the discount factor
 t_i is the tariff for the i th year.

Note 2,— The weightage for different parameters for bid evaluation shall be notified by the competent government, from time to time, based on sensitivity analysis.

Note 3,— The foreign exchange conversion rate, Foreign Exchange escalation rate and the discount rate for purposes of bid evaluation shall be as notified by the competent Government, from time to time.

4.8 In case a Generating Company is permitted by the competent Government to supply electricity direct to a consumer in terms of clause (c), sub-section (1), section 43A of the said Act, such sale shall be at mutually negotiated rates, agreed upon between the generating company and the other person, subject to the approval of the competent Government.

[No. A-53/95-IPC]

P. ABRAHAM, Secy.

Foot Note :—The Principal Notification was published in the Gazette of India, Part II, Sec. 3, Sub-Section (ii), dated 30th March, 1992 and subsequently amended by S. O. 36 (E) dated 18-1-94, S. O. 605 (E) dated 22-8-94 S. O. 39(E) dated 12-1-1995, S.O. 167(E), dated 6-11-1995, S.O. 151(E), dated 26-2-1997 and S.O. 332(E), dated 17-4-1997.

1272-41/91-2

